ब्रह्मपुत्र बुलेटिन

जीवन पर्यंत कर्तव्य

संस्करण
32 वां
जनवरी–मार्च
2024

मुख्यालय गुवाहाटी फ्रंटियर

सी.सु.बल

फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी

महानिरीक्षक की कलम से

प्रिय सीमा प्रहरियों,

मुझे प्रसन्नता है कि गुवाहाटी फ्रंटियर की तिमाही पत्रिका ''ब्रह्मपुत्र बुलेटिन'' के 32वें संस्करण के माध्यम से मुझे अपना संदेश सीमा प्रहरियों तक पहुँचाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है ।

इस तिमाही के दौरान आप सभी के सहयोग और कठिन परिश्रम से फ्रंटियर का प्रदर्शन न केवल संक्रियात्मक स्तर पर बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी सराहनीय रहा है। इस दौरान हमारे बहादुर सीमा प्रहरियों ने उच्चकोटि की कर्तव्यनिष्ठा का प्रदर्शन करते हुए पूरी मुस्तैदी एवं बहादुरी से अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा सुनिश्चित की है ।

गत तिमाही के दौरान सीमा प्रहरियों ने संक्रियात्मक गतिविधियों के साथ – साथ अन्य गतिविधियों जैसे गणतंत्र दिवस समारोह, रोजगार मेला, लोहड़ी एवं बसंत पंचमी के साथ विभिन्न सिविक एक्शन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

वर्तमान मे बडी संख्या मे कम्पनीयों की तैनाती लोकसभा चुनाव मे लगने के कारण सीमाओं पर जनशक्ति की अत्यधिक कमी महसूस की जा रही है जिससे आगामी समय काफी चुनौतीपूर्ण होगा तस्कर,अपनी गतिविधियों को बढ़ाने का प्रयास करेंगे,परन्तु मुझे पूर्ण विश्वास है कि चाहे कितनी भी विषम परिस्थितियाँ आये,हमारे प्रहरियों के हौसले सदैव बुलंद रहेंगे एवं वे प्रत्येक चुनौती का सामना दृढ़ता से करते हुए सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करते रहेंगे ।

अंत में मैं, आप सभी प्रहरियों एवं आपके परिजनों को अपनी शुभकामनाओं के साथ उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय भविष्य की कामना करता हूँ साथ ही संपादक मंडल द्वारा किये गए अथक प्रयासों की सराहना करते हुए इस संस्करण के सफल प्रकाशन की कामना करता हूँ ।

जय हिन्द ।

दिनेश कुमार यादव(भा.पु.से.)
महानिरीक्षक, सीसुबल
फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी

फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी

उप महानिरीक्षक(सामान्य) की कलम से

मेरे लिए यह बहुत हर्ष का विषय है कि मैं गुवाहाटी फ्रंटियर की तिमाही पत्रिका"ब्रह्मपुत्र बुलेटिन" का 32वां संस्करण प्रस्तुत कर रहा हूँ। इस पत्रिका के माध्यम से आप सभी को गत तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) के दौरान सीमांत मुख्यालय गुवाहाटी, अधीनस्थ सेक्टर मुख्यालयों तथा बटालियनों की महत्वपूर्ण गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी उपलब्ध करवाने का एक प्रयास किया गया है।

गुवाहाटी सीमान्त का सीमावर्ती इलाका विभिन्न भौगोलिक एवं आर्थिक विषमताओं के कारण काफी संवेदनशील होने और विभिन्न कठिनाइयों के बावजूद सीमा पर तैनात सीमा प्रहरियों की सतर्कता के फलस्वरूप तिमाही (जनवरी से मार्च 2024) के दौरान गुवाहाटी सीमांत द्वारा 319.34 किलो ग्राम गांजा,1414 मवेशी, 16801 बोतल फेंसिडील एवं 2383 नग याबा टेबलेट जब्त किये गये। इसके अतिरिक्त 25 भारतीय एवं 08 बांग्लादेशी तस्करों को पकड़ने में भी सफलता प्राप्त हुई ।

मुझे आशा ही नहीं बल्कि पूर्ण विश्वास है कि "ब्रह्मपुत्र बुलेटिन" का 32वां संस्करण अपने उद्देश्य में सफल एवं सार्थक सिद्ध होगा। मैं सभी पाठकों से अनुरोध करता हूँ कि इस पत्रिका को और अधिक रोचक बनाने के लिए अपने बहुमूल्य सुझाव भेजने का श्रम करें।

सभी सीमा प्रहरियों एवं उनके परिवारजनो को सुखमय भविष्य की शुभकामनाएं ।

जय हिन्द

कुलवंत राय शर्मा
उप महानिरीक्षक (सामान्य)
फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी

विशिष्ट अधिकारियों का आगमन

दिनांक 12-02-2024 को फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी में केंद्रीय मंत्री श्री सर्बानंद सोनोवाल द्वारा रोजगार मेले के माध्यम से सरकारी नौकरियों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ती पत्रो का वितरण किया गया ।

दिनांक 09-02-2024 को महानिरीक्षक गुवाहाटी ने श्री निसित प्रमानिक केन्द्रीय गृह राज्य मंत्री भारत सरकार से कूचबिहार मे मुलाकात कर सुरक्षा सम्बंधित विषयो वर्ता की ।

दिनांक 22-01-2024 को श्री आर.पी मीणा अतिरक्त महानिदेशक,(एव.आर) ने फ्रंटियर गुवाहाटी में अधिकारियों से विभिन्न विषयो पर वर्ता की ।

दिनांक 16-03-2024 को श्री रवि गाँधी विशेष महानिदेशक, (पूर्वी कमान) ने फ्रंटियर गुवाहाटी का भ्रमण किया।

दिनांक 18-01-2024 को डॉ. टी बिस्वास, अति० महानिदेशक (विकित्सा) ने फ्रंटियर गुवाहाटी का भ्रमण किया।

संक्रियात्मक उपलब्धियाँ

(जनवरी-मार्च 2024)

सीमा सुरक्षा बल गुवाहाटी फ्रंटियर का जिम्मेवारी का इलाका जिला कूचबिहार (पश्चिम बंगाल) से जिला दक्षिण सालमारा मनकाचर (असम) तक भारत-बांग्लादेश सीमा पर **509** कि०मी० है। भारत और बांग्लादेश के बीच निर्दिष्ट अंतर्राष्ट्रीय सीमा को सुरक्षित करने के लिए गुवाहाटी फ्रंटियर में **11** बटालियन और **80** विभिन्न प्रकार के वॉटरक्राफ्ट के साथ एक जल स्कंध भी तैनात है।

पश्चिम बंगाल और असम के सीमावर्ती जिलों की सामाजिक , धार्मिक, राजनीतिक गतिशीलता एक दूसरे से भिन्न होने के कारण दोनों का सुरक्षा परिदृश्य अलग-अलग है। इसके अलावा गुवाहाटी सीमांत के जिम्मेवारी के क्षेत्र मे सीमावर्ती जिलों पश्चिम बंगाल मे कूचबिहार, असम मे धुबरी और दक्षिण सालमारा मनकाचर का भौगोलिक भूभाग भी एक दूसरे से पूर्णतः भिन्न है।

जहाँ कूचबिहार का इलाका समतल और मैदानी है जहाँ मुख्य नदियाँ तिस्ता, जलढाका, तोरसा, कालजनी और रैंडक उत्तर-पश्चिम से दक्षिण-पूर्व की ओर बहती है। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र मे बहुत से गाँव तारबंदी के आगे जीरो लाईन के निकट बसे होने के कारण सीमा प्रबंधन मे काफी चुनौतियाँ प्रस्तुत करते है।वही धुबरी का इलाका ब्रहम्पुत्र नदी के कारण जलमग्न तथा तारबंदी के बिना होने के कारण विशेष चुनौती भरा है। जहाँ कई गाँव एवं सीमा चौंकियाँ नदी के मध्य चर भूमि पर स्थित है।

गुवाहाटी फ्रंटियर की अधिकांश कम्पनियाँ लोकसभा चुनाव **2024** में तैनात होने व सीमा पर नफरी कम होने के बावजूद विषम परिस्थितियों मे भी हमारे जवानों ने मुस्तैदी, प्रतिबद्धता, लगन एवं कर्मठता के साथ कुशल सीमा प्रबंधन किया है।जिसके परिणामस्वरुप गत तिमाही मे (जनवरी-मार्च **2024**) मे कुल **1414** नग मवेशी, **16801** बोतल प्रतिबंधित फेंसिडिल, **319.34** कि०ग्रा० गांजा व **2383** नग याबा टेबलेट की जब्ती करने मे सफलता प्राप्त हुई।

साथ ही **25** भारतीय व **08** बांग्लादेशी तस्करों को गिरफ्तार किया गया।

संक्रियात्मक उपलब्धियाँ
सेक्टर मुख्यालय गोपालपुर

दिनांक 17-01-2024 को फील्ड"जी" टीम गोपालपुर की पुख्ता सूचना के आधार पर सीमा चौकी-सिताई, 75वीं वाहिनी द्वारा जब्ती - 700 बोतल फेंसीडिल सिरप, 01 - ई रिक्शा ।

दिनांक 19-03-2024 को 75वीं वाहिनी सीमा चौकी-काइमारी द्वारा जब्ती- 01 नग मोबाइल फोन, गिरफ्तारी, 01- बांग्लादेशी नागरिक ।

दिनांक 27-03-2024 को फील्ड "जी" टीम गोपालपुर की पुख्ता सूचना के आधार पर सीमा चौकी- रतनपुर, 169वीं वाहिनी गिरफ्तारी- 02 भारतीय तस्कर ।

दिनांक 09-01-2024 को फील्ड "जी" टीम गोपालपुर की पुख्ता सूचना के आधार पर सीमा चौकी- बुराबुरी, 169वीं वाहिनी गिरफ्तारी- 01 भारतीय तस्कर जब्ती- 02 मवेशी।

दिनांक 17-01-2024 को फील्ड"जी" टीम गोपालपुर की पुख्ता सूचना के आधार पर सीमा चौकी-सिताई, 157वीं वाहिनी द्वारा जब्ती - 478 बोतल फेंसीडिल सिरप ।

दिनांक 25-03-2024 को फील्ड"जी" टीम गोपालपुर की पुख्ता सूचना के आधार पर सीमा चौकी-फुलबारी, 157वीं वाहिनी द्वारा जब्ती -149 बोतल फेंसीडिल सिरप, 50 बोतल एस्कफ सिरप ।

संक्रियात्मक उपलब्धियाँ
सेक्टर मुख्यालय कूचबिहार

दिनांक 18-01-2023 को फील्ड"जी"टीम कूचबिहार की पुख्ता सूचना के आधार पर 138वी वाहिनी की सीमा चौकी-सबरी द्वारा जब्ती -185 बोतल प्रतिबंधित एस्कफ सहित 14 कि.ग्रा गांजा।

दिनांक 01-02-2024 को फील्ड"जी"टीम कूचबिहार की पुख्ता सूचना के आधार पर 138वीं वाहिनी की सीमा चौकी झिकरी द्वारा जब्ती कुल - 933.24 ग्राम वजन के 08 नग सोने के बिस्किट।

दिनांक 11-03-2024 को फील्ड "जी" टीम कूचबिहार की पुख्ता सूचना के आधार पर सीमा चौकी-बी.जी.जोरा, 129वीं वाहिनी द्वारा जब्ती- 9.8 कि.ग्रा. गांजा।

दिनांक 05-02-2024 को फील्ड "जी" टीम कूचबिहार की पुख्ता सूचना के आधार पर 14वीं वाहिनी की सीमा चौकी झाऊकुटी द्वारा जब्ती- 1750 कि.ग्रा. चीनी।

दिनांक 08-02-24 को 90वीं वाहिनी की सीमा चौकी दरीबास द्वारा जब्ती- 09 मवेशी।

दिनांक 28-03-23 सीमा चौकी-जलजली, 14वीं वाहिनी द्वारा जब्ती 06 मवेशी।

संक्रियात्मक उपलब्धियाँ
सेक्टर मुख्यालय धुबरी

दिनांक 14-01-2024 को फील्ड"जी"टीम धुबरी की पुख्ता सूचना के आधार पर 45वीं वाहिनी की सीमा चौकी - बोरेअल्गा द्वारा जब्ती 6400 कि.ग्रा. चीनी ।

दिनांक 20-01 -2024 को फील्ड"जी"टीम धुबरी की पुख्ता सूचना के आधार पर 45वीं वाहिनी की सीमा चौकी - बोरेअल्गा द्वारा जब्ती 5500 कि.ग्रा. चीनी सहित 01 ई.एफ.सी. नाव।

दिनांक 30-03-2024 को सीमा चौकी-सालापारा, 49वीं वाहिनी द्वारा सीमा पार तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए 1178 बोतलें शराब की जब्ती की गई।

दिनांक 18-02-2024 को फील्ड "जी" टीम धुबरी की पुख्ता सूचना के आधार पर 49वीं वाहिनी की सीमा चौकी - सालापारा द्वारा सीमा पार तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए 20 मवेशियों की जब्ती की गई।

दिनांक 14-01-2024 को फील्ड "जी" टीम धुबरी की पुख्ता सूचना के आधार पर 19वीं वाहिनी की सीमा चौकी - तिस्तापारा द्वारा जब्ती - 01 गेकों छिपकली कुल मूल्य लगभग 10 लाख रुपये।

दिनांक 31-03-2024 को फील्ड "जी" टीम धुबरी की पुख्ता सूचना के आधार पर स्पेशल ऑप्स के दौरान 19वीं वाहिनी की सीमा चौकी भोगडोर द्वारा 10,67,691, रुपये मूल्य के नशीले पदार्थों की जब्ती ।

EMBRACING WILDLIFE

"Embracing Wildlife"
A Personal Journey with the Border Security Force

In India's dynamic landscape, where the boundaries blur between security and wildlife conservation, a remarkable journey unfolds. Join me as we delve into the heart of the Border Security Force (BSF), where the call of duty harmonizes with a profound love for nature.

As the sun beats down relentlessly, parched lands bear witness to a struggle beyond borders. Yet, amidst the scorching heat, a heartening sight unfolds. Alongside BSF jawans, impassioned souls fill guzzlers, tanks, and dried ponds, offering respite to wildlife from the unforgiving elements. It's a humble gesture, but one that speaks volumes about our shared commitment to safeguarding not only our nation but also its precious biodiversity.

But the story doesn't end there. Along the porous India -Bangladesh border, a different battle unfolds—one against wildlife smuggling. Here, amidst the bustling trade routes, the BSF stands vigilant. Their unwavering resolve has led to significant seizures, rescuing countless gecko lizards, parrots, pigeons, and more from the clutches of exploitation.

In a world where every creature counts, partnerships are paramount. That's where organizations like WCS-India step in. Through collaborative efforts and shared expertise, they've joined hands with the BSF to combat wildlife trafficking along our borders. It's a partnership forged in the fires of dedication and a shared vision for a better, safer world.

But amidst these triumphs lie challenges. The border is not just a line on a map; it's a living, breathing ecosystem. Here, encounters with wild elephants are not uncommon, and the BSF's role transcends mere security.It's about protecting lives,both human and animal. A recent flag meeting between the BGB and BSF underscores this shared responsibility. Together, they strategize to mitigate the impact of wild elephant activities and resolve border-related issues, one step at a time.

Yet, amidst the chaos, there are moments of profound connection. The BSF's love for wildlife shines through, as they share images of a deer'roaming freely along the border.It's a poignant reminder that in the vast expanse of our nation, every life is cherished, every creature finds sanctuary.

As I reflect on this journey, one thing becomes abundantly clear: the Border Security Force is not just a shield; it's a beacon of hope for both our nation and its wildlife.Through their unwavering dedication, they weave a tapestry of protection, where every thread tells a story of resilience, compassion, and unwavering courage.

In conclusion, the journey of the BSF is not just about securing borders; it's about embracing the wild spirit that defines our nation.It's about forging bonds,bridging divides, and standing shoulder to shoulder in the face of adversity. Together, we navigate the intricate dance between security imperatives and wildlife conservation, forging a path towards a brighter, more sustainable future—for our nation, for our wildlife, and for generations yet to come.

Dr Vinay Yadav commandant (Vet) is a DE officer of Veterinary cadre who joined BSF in 2006. He did his MVSc(Microbiology) thesis by studying on 78 Indian Elephants and has vast experience in wildlife. Officer has served in Frontier Rajasthan, Punjab, Jammu, Kashmir, M&C. He is presently serving at Guwahati Frontier.

MYSTIC OF CHARLAND

The chirping melodies of the birds break the dawn and the sun emerged from the eastern horizon painting the landscape with hues and as the day progresses, the sun ray falls on the waves of the calm and turbulent water of the mighty Brahmaputra river rushing hurriedly to Bangladesh. The vast and barren landscape of sand carpets the bank of the Brahmaputra river and one can see floating fishing boats everywhere, naked children gleefully play on the sand and jump into the river and swim like aquatic birds, unaware and oblivious, about the outside world; the innocence of childhood is best exemplified by the children of the Charland They wear a permanent smiles in their face and casually waves and salutes smartly to the BSF personnel who stood all along the IB (International boundary). As they play and swim in the turbulent water, they never swim across the IB (International Boundary) as if the Children have mastered "The Thalweg theory".Due to the flow of the mighty Brahmaputra from India into Bangladesh, this part of the IB is totally riverine and unfenced.

The Imaginary line in the minds of the children for years demarcate the IB. The children of Charland have been the force multiplier to the Border Security Force nevertheless they have been the source of inspiration for many years and will continue to play an important role to withstand the force of nature, which shapes the Charland for generations.

Villagers have entwined their lives with the mighty Brahmaputra and the many Charlands. And in a layman definition , Charlands are landmasses formed through the sedimentation of huge amount of sand , silt and clay over time carried by the Brahmaputra river especially in Bangladesh and India.

Four centuries, Brahmaputra river has been the lifeline of Assam and Bangladesh, the Brahmaputra river shapes the demography and topography of Assam in particular and Bangladesh in general, above all the Brahmaputra river basin offers Assam and Bangladesh a wide swath of fertile and navigable river, allowing an inexpensive means to transport goods within and beyond its borders.

The Brahmaputra river also unveils a dark history with intriguing tales which defines the rich historical and cultural ethos of Assam and Bangladesh.When it comes to border, Border Security Force (BSF) is synonymous with Indo-Bangladesh border and a Border man be it be the lowest BSF rank personnel or the top most echelon of Border Security Force, has many vivid moments and many untold stories wrapped in memories.One such moment is the beautiful landscape and topography of a non- descript village of Barmanpara, a tiny village parched in one of the many Charlands formed by the mighty Brahmaputra. The district HQ Dhubri is approx . 40 km away from Barmanpara and there is no communication/ transportation and boats are the only means to reach the shores of Dhubri. Barmanpara and the many adjoining villages in the Indo-Bangladesh remains insignificant to the outside world even after 75 years of Independence. The present state of affair with no infrastructure developments like road, electricity, water supply, or any good schools have forced people from the border belt to migrate, looking for greener pasture.

Unfortunately, no attempts have been made to document the vivid history of the Charland, the people and their myriad tales of the Charlands. A humble attempt has made to locate and identify the persons who could dig the past and narrate the history of Barmanpara.

Fortunately Dineswar Rai, now 55 yrs laid stone throw away from the BSF Camp. With eyes soaked, the fragile man recollects – there used to be more than 800 Hindu Families residing in Barmanpara and its adjoining villages of Pattamari, Bhogdore, Kalahat, Kalapakani, Dighaltari, Sastraghat and only Takkimari used to an exclusive Muslim village. Today the Charland houses only 07 (seven) Hindu Families, dusting off an old tattered file, Dineshwar Rai unveils the documentary proof and account that, his father late Kailash Chandra Rai had 445 bighas of land in Barmanpara late in 1930s. But, today he is left out with only 15 bighas of cultivable land in the Charland. Besides Barmanpara, there are many other villages of Pattamari, Bhogdore, Digaltari, Sastraghat. Interestingly there were more than 800 Hindu families and Muslim population was slightly lower than the Hindu. Pattamari village was once a bustling market where business was thriving, people from Bangladesh frequent the market on daily basis. There used to be a motorable link road from Dhubri town to Pattamari market and the road further linked up to Madarganj in Bangladesh.

There were two (02) Marwari traders late Jatmal Uthwal and Parmal Uthwal who had large warehouses in Pattamari village. There were also three (03) families of Bihar origin who had shops in the market and the population was teeming with Bengalis, Majis, Rajbonshis and Muslim population.

Safiur Rahman, a 70 years retired s chool teacher of Pattamari School has reminiscences of his early days in Pattamari village, where he used to play with many Bengali Hindu Boys in Pattamari village school which was established in 1905. His father late Jahiruddin Ahmad also studied in the same school before 1930s and thereafter became a teacher. Safiur Rahman followed his father's footsteps became a student and later became a teacher at Pattamari school.

Abdul Gofur Sheikh (70 years) resident of village Sastraghat has more interesting tales to tell, he longs on the heyday of youth when he used to play marbles with the legendary Hindi Pop singer late Bappi Lahri, who later became famous for popularising disco music in Indian Cinema.

Though the official record of late Bappi Lahri's birth place is Jalpaiguri, West Bengal, however Abdul Gofur Sheikh,Sofiur Rehman and Girish Chandra Rai claimed to have studied together at Pattamari School. By their accounts Bappi Lahiri's father Aparesh Lahiri was a land lord who owned more than 500 bighas land before India's independence in 1947 and with the demarcation of the IB, half of the land went to then East Pakistan (Now Bangladesh). Today,the rich and fertile and and the ancestral property of Late Bappi Lahiri is a barren sand field during winter/dry season and remains inundated by flood water of mighty Brahamputra.

Girish Chadra Rai, a 70 Yrs old retired Assam Policeman now stays at Dharamshala near Dhubri town, legendary music composer and singer Late Bappi Lahiri and his parents left the Charland and settled in Jalpaiguri, WB in 1960s. Over the years starting from 1950s to 1990s almost all the Hindu population except for the 07 (seven) Hindu Families at Barmanpara have left the Charland and migrated to every nook and corner of Assam even upto Lakhimpur, the eastern most district in Assam.

A Border man (BSF personnel) or an outsider visiting for the first time would not believe how the life has changed in the Charland. The demographic pattern has changed and Muslim population dominates 99.5% i n t he Charland. Mosques and Madrassas have sprung up in every nook and corner of the Charland. The vivid account of Dinishwar Rai, Safiur Rahman, Girish Chandra Rai and Abdul Gofur Sheikh can be easily negated as their accounts seem to be contradictory or irrelevant as one can see the Charland villages teeming with Muslim population.

For a moment, to understand the Charland is like traversing a tunnel of time engaging in conversation with the calm and turbulent water of the Brahamputra river, the deep essence of the Charlands. Here, time solidifies and the secrets of Charland which is so mystic and the external traces are engraved in the hearts and minds of the people living here for generations. The country boats of the villagers and the mechanised boats of the BSF, the children, young and old serves as a witness to time guarding the memories and hopes of the Mystic Charlands. The Charland is not a piece of landmass it's a thick book recording old lives and new lives embracing the profound Assamese culture

Sh.Wong Kiyang, Dy Commandant, is a DE officer who joined BSF in 2005. He did his MA(English) from Delhi University. Officer has served in Frontier Shillong,North Bengal, ANO (Chattisgarh) , Punjab and deputation to Arunachal Pradesh Police. He is presently posted as DC(G) SHQ BSF Dhubri.

अन्य गतिविधियाँ

दिनांक 08-03-2024 को फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी मे विश्व महिला दिवस के अवसर पर शहीदो की वीरांगनाओं को सम्मानित किया तथा हेअर स्टाइल प्रतियोगिता एंव कुकिंग प्रतियोगिता एंव रंगारंग कार्यक्रम हर्षोउल्लास के साथ आयाजित किया गया।

दिनांक 14-01-2024 को फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी मे बच्चो के मध्य सामाजिक मीडिया जानकारी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

दिनांक 17-02-2024 को फ्रंटियर मुख्यालय गुवाहाटी बावा अध्यक्षा की उपस्थिति में टेलरिंग कोर्स का आयोजन किया गया।

दिनांक 14-02-2024 को फ्रंटियर गुवाहाटी कें अंकुर प्ले स्कूल मे बसंत पंचमी का कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

जनकल्याण कार्यक्रम

दिनांक 14-02-2024 को रानी एस्कोर्लैड रोड गुवाहाटी पर सड़क दुर्घटना की जानकारी पर बीएसएफ गुवाहाटी फ्रंटियर के जवानो ने त्वरित कार्यवाही की तथा घायलो को सीएपीएफ कंपोजिट अस्पताल पहूँचाकर अमूल्य प्राणो की रक्षा की ।

दिनांक 13-01-2024 को 19वीं वाहिनी के सीमा प्रहरियों ने सीमावर्ती गाँव पद्मारी और दिगलतरी - II के स्कूली छात्रों और ग्रामीणो की आसान आवाजाही को सुविधाजनक बनाने के लिए ब्रह्मपुत्र नदी के पर बांस के पुल का निर्माण किया।

दिनांक 17-02-2024 को 49वीं वाहिनी के अन्तर्गत सीमावर्ती गाँव मोल्हापारा मे लगी भीषण आग को सीमा प्रहरियों द्वारा काबू किया गया व घायलों को नर्सिंग स्टाफ द्वारा फर्स्ट ऐड देने के पश्चात बीएसएफ वोट एम्बुलेंस की सहायता से नजदीकी अस्पताल पहुँचाया।

दिनांक 26-12-2024 को उप महानिरीक्षक कूचबिहार द्वारा 14वीं वाहिनी के अंतर्गत सीमावर्ती क्षेत्र मे रहने वाले बच्चों के लिए प्रतियोगी पुस्तकों का वितरण किया गया।

दिनांक 07-01-24 से 10-01-24 तक 31वीं वाहिनी एवं सीमान्त चेतना मंच के सहयोग से गोलकगंज स्टेडियम मे धुबड़ी जिले के सीमावर्ती क्षेत्र की युवतियों को निशुल्क भर्ती पूर्व प्रशिक्षण प्रदान किया ।

जनकल्याण कार्यक्रम

दिनांक 07-01-2024 को 90वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमे आर.ओ , पानी टंकी, सिलाई मशीनें, खेतीबाड़ी यंत्र व खेलकूद सामग्री का वितरण किया गया।

दिनांक 21-01-2024 को 14वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत बॉर्डर पर रहने वाले ग्रामीणों के लिए नि:शुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया।

दिनांक 07-01-2024 को 45वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत नि:शुल्क नेत्र शिविर का आयोजन किया गया।

दिनांक 22-01-2024 को 138वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के अंतर्गत सीमावर्ती स्कूल के बच्चों को कंप्यूटर, खेलकूद सामग्री व स्टेशनरी का वितरण किया गया।

दिनांक 06-02-2024 को 19वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया जिसमे स्कूल के बच्चों को खेलकूद सामग्री व स्टेशनरी का वितरण किया गया।

दिनांक 09-02-24 को 31वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन प्रोग्राम के दौरान बॉर्डर पर रहने वाले दिव्यांगजनो को व्हीलचेयर बाँटी गई।

सेवा समाचार

पुरस्कार

	महानिदेशक प्रशस्ति पत्र	महानिरीक्षक प्रशस्ति पत्र	महानिरीक्षक नगद पुरस्कार
अधिकारी	03	44	–
अधि अधिकारी	03	115	56
जवान	08	21	293
कुल	14	180	349

पदोन्नति (प्रथम तिमाही-2024)

DC	2IC	01
AC	DC	02
SI	INSP	04
ASI	SI	33
HC	ASI	32
CT	HC	57
CT/TM	HC/TM	15

सेवानिवृत्ति (प्रथम तिमाही-2024)

अधिकारी	03
अधि० अधिकारी	31
जवान	51

अखबारों के आइने में

पूर्वांचल प्रहरी

बीएसएफ का भारत–बांग्लादेश अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्र के युवाओं के लिए भर्ती-पूर्व प्रशिक्षण कार्यक्रम

बीएसएफ ने किया 18 मवेशियों को बरामद

The Hills Times

BSF celebrates Republic Day in Guwahati

HT Bureau

GUWAHATI, Jan 27: The Border Security Force (BSF) celebrated the 75th Republic Day at its headquarters in Patgaon in the city in a grand manner.

All sector headquarters and units of the Frontier participated in the celebrations. Keeping allegiance to the BSF's traditions, inspector general of the Frontier, Dinesh Kumar Yadav unfurled the national tricolour at the frontier headquarter quarter guard at Patgaon.

After the unfurling of the flag, Yadav addressed the Seema Praharis of Frontier HQ, 1st BN NDRF and CAPFs' Composite Hospital. He said that the Republic Day is an occasion to remember the foresight of our leaders who created one of the strongest and inclusive Constitutions for the nation that has stood the test of time. Paying tributes to the braveheasts of BSF, he called upon the troops to make whole hearted efforts to protect the territorial integrity of the nation.

"Today is the day to reaffirm our commitment to our Constitution, unity in diversity and equality among all our citizens. We should always adhere to democratic values and ethos," Yadav said.

The inspector general also visited the CAPF Composite Hospital in the city and distributed fruits and sweets to the bravehearts and wished them for their early recovery. Various other functions to celebrate the occasion were also organized at all the BSF locations including on the border out posts during the day.

दैनिक पूर्वोदय

रोजगार मेले में सोनोवाल ने 158 अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

Eastern Chronicle

Civic action programe done by 19 BN BSF at Bhogdore-Indo- Bangla Border

Gokul Sikdar & Subham kumar Gupta, Dhubri, Feb 7: In a series of Civic action programme undertaken by 19 Bn BSF under Sector Dhubri, on 7th January,2024 . a Civic Action Programme was organized at Digaltari Girls L.P School, Bhogdore L.P School at village Bhogdore in AOR of BOP Bhogdore and Sastraghat Pt-I L.P School at village Sastraghat Pt-I in AOR of BOP Sialda. The programme was inaugurated by Sh. Sunil Soibam, Commandant of 19 Bn BSF in the presence of Sh. Ghanshyam Singh Rathore, DC (Adjt) of 19 Bn BSF, Coy Comdr of all the BOPs under 19 Bn BSF, Members, VDPs of village Bhogdore, Kalapara, Digaltari, Pattamari & Sastragaht Pt I, School Teachers, Students and approx 350 villagers. During the programme, Stationary Items & Sports Items including Cricket Bat, Cricket Ball, Writing pad, Color Pencil, Sharpener, Skipping Rope, Clip Board and Carrom Board were distributed to students and youths. Sh Sunil Soibam, Commandant of 19 Bn BSF encourage youths and school children to take part in sport activities that will keep them fit and can also pursue as a career. He also emphasized that such Contd to PG 11.

एडीजी सीसुबल (पूर्वी कमान) ने की संक्रियात्मक तैयारियों की समीक्षा

अतिरिक्त महानिदेशक सीसुबल (पूर्वी कमान) ने की गुवाहाटी फ्रंटियर की संक्रियात्मक तैयारियों की समीक्षा

सीसुब के महानिरीक्षक ने किया भारत-बांग्लादेश सीमा का दौरा

THE NORTH EAST TIMES

BSF conducts free medical camp at Composite hospital

GUWAHATI, JAN 28: Composite Hospital, Patgaon at Frontier Headquarters Border Security Force Guwahati organized a free medical camp recently for the families of bordermen of Frontier Headquarters BSF Guwahati, 1st Bn National Disaster Response Force (NDRF) and Composite Hospital, Patgaon here.

The free general health check-up camp was inaugurated by Bhawna Yadav, president of BWWA, Frontier Headquarters BSF Guwahati in presence of team ofDoctors and families of bordermen.

During thecamp, 59 BSF family members of Frontier Headquarters BSF,Composite Hospitalstaff, Guwahati and 1st Battalion NDRFwere provided free consultation and medicines. NET STAFFER

कूचबिहार जिला प्रशासन और बीएसएफ अधिकारियों की विशेष बैठक आयोजित

भारत–बांग्लादेश सीमा के नजदीक एक महिला प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार

बीएसएफ मुख्यालय में भी समारोह आयोजित

बीएसएफ का जनकल्याण व मुफ्त चिकित्सा शिविर

বিএছএফৰ গুৱাহাটী ফ্ৰন্টিয়াৰৰ অভিযানত সীমান্তত আঠখন সোণৰ বিস্কুট জব্দ

মানকাচৰত সীমান্ত সুৰক্ষা বাহিনীৰ গুলীত চোৰাং গৰু সৰবৰাহকাৰী নিহত

धुबड़ी : सीसुब ने गांवों में सामग्री की वितरित

Suspected cattle smuggler shot dead along Assam-Bangla border

THE ASSAM TRIBUNE

Spurt in sugar smuggling to Bangladesh

বাংলাদেশলৈ পশুধন চোৰাং ৰপ্তানি ব্যাহত বিএছএফৰ অভিযানত উদ্ধাৰ ২২ টা পশুধন

বিজনীৰ ১নং দৰঙ্গিয়াপাৰাত অগ্নিকাণ্ড

चुनाव से पहले सीमा क्षेत्र का दौरा...

The Sentinel

Border Security Force seizes gold biscuits from Indo-Bangladesh international border

GUWAHATI: In yet another success in its drive against trans-border crimes Border Security Force, troops deployed under Guwahati Frontier foiled smuggling bid and seized 8 gold biscuits on Indo-Bangladesh international border. Acting on an input, on Thursday, a special operation was launched and vigilant troops of BOP Jhikriof 138 Bn BSF observed and succeeded in seizing 8 gold biscuits (933.24 gms) worth approx. Rs.58.70 Lakh on Indo Bangladesh border in bordering areas of Cooch Behar district of West Bengal). The seized items were handed over to the nearest custom office for further legal action.

Keeping in view the vulnerability of border, heightened activities of trans border criminals and anti-national elements on the border, BSF troops are always alert to thwart trans-border crimes including drug trafficking and are making all out efforts to prevent commission of such crimes, stated a press release.

अध्यक्ष
संपादक मंडल
श्री दिनेश कुमार यादव (भा.पु.से.)
महानिरीक्षक,गुवाहाटी फ्रंटियर

उपाध्यक्ष मुख्य संपादक
श्री कुलवंत राय शर्मा,
उप महानिरीक्षक(सामान्य)

संपादक
श्री मनोज कुमार यादव
द्वितीय कमान अधिकारी (सामान्य)
श्री सुबोध रोकड़े
उप कमा० (ईमेज इन्ट)

संपादकीय समिति
निरीक्षक (सामान्य) बिजेन्द्र कुमार शर्मा
सहा० उप निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह

डिजाईन
आरक्षक अमित कुमार
आरक्षक राकेश कुमार

pro.bsfguwahati.ftr@gmail.com
facebook ID - Bsf Guwahati Ftr
Twitter user ID-@BSF_Guwahati
bsfguwahatifrontier

(फोटोग्राफी- गुवाहाटी फ्रंटियर के अधीन समस्त सेक्टर एवं बटालियनों के फोटोग्राफरों के सहयोग से)